O.P.JINDAL SCHOOL , SAVITRI NAGAR

PRE – BOARD – II (2025-26)

(SET- A)

कक्षा: XII	अधिकतम अंक: 80
विषय-: Hindi (302)	समय:3 घंटे

सामान्य निर्देश-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक 'आरोह' और 'वितान' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासम्भव प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्न संख्या	खंड - क (अपठित बोध)	अंक (18)
1.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए :-**	(10)
	बाल श्रम केवल एक सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि यह हमारे नैतिक मूल्यों और मानवता की परीक्षा है। जब तक देश का प्रत्येक बच्चा शिक्षित, स्वस्थ और खुशहाल नहीं होगा, तब तक सच्चे अर्थों में विकास संभव नहीं है। "बाल श्रम"बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करती है। इसके कारण बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। बाल श्रम का मुख्य कारण गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी है। भारत में कई गरीब परिवार आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को काम पर भेजने के लिए मजबूर होते हैं, जिससे वे अपनी पढ़ाई नहीं कर पाते। इससे न केवल उनका वर्तमान प्रभावित होता है, बल्कि उनके भविष्य के अवसर भी सीमित हो जाते हैं। भारत सरकार ने बाल श्रम को रोकने के लिए कई कानून और योजनाएँ बनाई हैं। 'बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम' 1986 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम कराना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। इसके अलावा, 'राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना' के माध्यम से बाल श्रमिकों को शिक्षा और पुनर्वास की सुविधा दी जाती है। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, बाल श्रम की समस्या अभी भी व्यापक रूप से बनी हुई है।	

	इसे समाप्त करने के लिए सामाजिक और आर्थिक सुधारों की जरूरत है। हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वे इस समस्या को समाप्त करने में सहयोग करें। शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से ही इस समस्या का समाधान संभव है, ताकि सभी बच्चों को एक उज्जवल भविष्य मिल सके। बाल श्रम की समाप्ति केवल सरकार के प्रयासों से नहीं हो सकती। इसके लिए जन-सहयोग, शिक्षा का प्रसार, आर्थिक सुधार और सामाजिक चेतना आवश्यक है। यदि हर नागरिक यह ठान ले कि वह किसी भी बच्चे से श्रम नहीं कराएगा और उसके पढ़ने-लिखने में मदद करेगा, तो निश्चित ही बाल श्रम जैसी कुरीति को समाप्त किया जा सकता है।	
(क)	बाल श्रम के प्रमुख कारण क्या हैं - कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए: i. गरीबी II. शिक्षा की कमी III. बेरोजगारी IV. माता-पिता की शिक्षा प्राप्ति विकल्प - i. कथन I और II सही हैं। ii. कथन I, II और III सही हैं। iii. केवल कथन IV सही है। iv. कथन I, II, III और IV सही हैं।	1
(ख)	निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A): बाल श्रम बच्चों के विकास को बाधित करता है। कारण (R): बाल श्रम बच्चों को शिक्षा से वंचित करता है। i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1
(ग)	बाल श्रम को किस प्रकार की समस्या कहा गया है? i. धार्मिक समस्या ii. आर्थिक समस्या iii. सामाजिक समस्या iv. राजनीतिक समस्या	1
(घ)	बाल श्रम अधिनियम के अंतर्गत कितने वर्ष के बच्चे से बाल श्रम कराना प्रतिबंधित है?	1

(ङ)	बाल श्रम को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने कौन-कौन सी योजनाएँ लागू की हैं?	2
(च)	बाल श्रम का बच्चों और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?	2
(छ)	"शिक्षा और जागरूकता ही बाल श्रम मिटाने का सबसे प्रभावी साधन है" – इस कथन की पुष्टि अपने शब्दों में कीजिए।	2
2.	**निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए :-**	**(08)**
	सागर की लहरें, निरंतर किनारे से टकराती हैं। हर लहर एक नई कहानी कहती है, जीवन के संघर्षों की, जो कभी रुकते नहीं। लहरों की इस आवाज़ में जीवन का संगीत छिपा है। सूरज की किरणों से चमकता पानी, मानो स्वर्ण की चादर बिछ गई हो। यह दृश्य हमें यह सिखाता है कि जीवन के हर मोड़ पर संघर्ष तो होंगे, पर अंत में हर लहर, सागर की गहराइयों से मिल जाती है, और जीवन अपनी राह पा लेता है। यह अनंत सागर, हमें धैर्य, सहनशीलता और निरंतरता का पाठ पढ़ाता है।	
(क)	निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A): सागर की लहरें निरंतर किनारे से टकराती रहती हैं। कारण (R): क्योंकि जीवन में निरंतर प्रयास करने वाला व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करता है। i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1
(ख)	इस पद्यांश के अनुसार जीवन का सन्देश क्या है? i. जीवन में आराम सर्वोपरि है ii. हर कठिनाई से बचना चाहिए iii. संघर्ष जीवन का अभिन्न अंग है iv. केवल सफलता ही महत्वपूर्ण है	1

(ग)	"अंत में हर लहर सागर की गहराइयों से मिल जाती है" – इस कथन का दार्शनिक अर्थ क्या है? i. हर लहर अंत में शांत हो जाती है ii. मनुष्य मृत्यु के बाद परमात्मा में लीन हो जाता है iii. लहरों का अंत नहीं होता iv. सागर की गहराइयाँ अनंत हैं	1
(घ)	पद्यांश में 'सागर की लहरें' किसका प्रतीक हैं?	1
(ङ)	कवि ने सागर को "धैर्य, सहनशीलता और निरंतरता का प्रतीक" क्यों कहा है?	2
(च)	कवि ने इस पद्यांश के माध्यम से कौन-सा जीवन दर्शन प्रस्तुत किया है?	2
प्रश्न संख्या	**खंड - ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (22)**
3.	**दिए गए निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-**	**01x06=06**
	क. दीपक की लौ और अँधेरा ख. शहर की भीड़ में अकेलापन ग. एक माँ की मुस्कान	
4.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:-**	**04x02=08**
(क)	जनसंचार के श्रव्य माध्यम की कोई दो विशेषताएं लिखिए।	
(ख)	मुद्रित माध्यम (Print Media) का समाज में क्या महत्व है?	
(ग)	समाचार और फीचर में क्या अंतर है?	
(घ)	जनसंचार माध्यमों के संदर्भ में 'बीट' से आप क्या समझते हैं?	
(ङ)	कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कौन-सी बातें आवश्यक हैं।	
5.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए:-**	**02x04=08**
(क)	आपके मत में हिंदी वेब पत्रकारिता को जनसामान्य तक पहुँचाने और प्रभावशाली बनाने के लिए कौन-से ठोस कदम उठाए जाने चाहिए?	
(ख)	विशेष लेखन को परिभाषित करते हुए बताएं, विशेष लेखन और सामान्य लेखन के अंतर को स्पष्ट कीजिए?	
(ग)	सोशल मीडिया आज पत्रकारिता के क्षेत्र में क्या भूमिका निभा रहा है? इलेक्ट्रॉनिक माध्यम को ध्यान में रख कर उत्तर दें।	

प्रश्न संख्या	खंड - ग (पाठ्‌यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	अंक (40)
6.	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर को चुनकर लिखिए:-**	05x01=05
	तिरती है समीर-सागर पर अस्थिर सुख पर दुख की छाया -जग के दग्ध हृदय पर निर्दय विप्लव की प्लावित माया -यह तेरी रण-तरी, भरी आकांक्षाओं से, घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर उर में पृथ्वी के, आशाओं से नव जीवन की,ऊँचा कर सिर, ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल ! फिर फिर बार-बार गर्जन, वर्षण है मूसलधार, हृदय थाम लेता संसार, सुन-सुन घोर वज्र-हुंकार । अशनि-पात से शायित उन्नत शत-शत वीर, क्षत-विक्षत हत अचल-शरीर, गगनस्पर्शी स्पर्द्धा-धीर	1
(क)	"निर्दय विप्लव की प्लावित माया" पंक्ति में कवि ने किस भाव को प्रकट किया है? i. संसार की अस्थिरता ii. युद्ध का भय iii. क्रांति की उथल-पुथल iv. प्रकृति की शांति	1
(ख)	"घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर"– इस पंक्ति में बादल की गर्जना से क्या संकेत मिलता है? i. विनाश का आरंभ ii. सोए हुए जीवन में चेतना का संचार iii. भय का प्रसार iv. अंधकार का फैलना	1
(ग)	'बादल राग' कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है? i.प्रकृति की नीरवता दिखाना ii.मनुष्य की निराशा को व्यक्त करना iii.क्रांति और नवजीवन की प्रेरणा देना iv.वर्षा ऋतु की सुंदरता का वर्णन करना	1
(घ)	कवि के अनुसार, बादल का "गर्जन" किसका प्रतीक है? i. भय और विनाश ii. आत्मबल और चेतना iii. मौन और एकांत iv. निराशा और असंतोष	1

(ङ)	"उर में पृथ्वी के, आशाओं से नवजीवन की" पंक्ति में कवि ने क्या भावना व्यक्त की है? i. प्रकृति की उदासी ii. मनुष्य की निराशा iii. पृथ्वी की सृजनशीलता और पुनर्जागरण iv. नाश और विनाश का संकेत	1
7.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:-**	**02x03=06**
(क)	"कैमरे में बंद अपाहिज" कविता में मिडिया कर्मी, टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट(TRP) के दबाव के तहत संवेदनहीन रवैये को प्रस्तुत करते हैं, इस कथन की समीक्षा कीजिए|	
(ख)	तुलसी के अनुसार, 'पेट की आग' का शमन कौन कर सकता है? कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा? अकाल की स्थिति को ध्यान में रख के उत्तर दें |	
(ग)	'उषा' कविता में कवि ने गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण किया है, आप अपने शब्दों में एक सुबह का वर्णन करें ।	
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:-**	**02x02=04**
(क)	शीतल वाणी में आग-के होने का क्या अभिप्राय है? आत्मपरिचय पाठ के आधार पर स्पष्ट करें|	
(ख)	'पतंग' कविता में भागते बच्चों के पदचाप दिशाओं को किस तरह सजीव बना देते हैं?	
(ग)	'कविता के बहाने' काव्य के आधार पर बताइए कि 'सब घर एक कर देने के माने' क्या हैं ?	
9.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर को चुनकर लिखिए:-**	**05x01=05**
	शिरीष का फूल संस्कृत साहित्य में बहुत कम माना गया है। मेरा अनुमान है कि कालिदास ने यह शुरु-शुरु में प्रचार की होगी। उनका इस पुष्प पर कुछ पक्षपात था (मेरा भी है) कह गए है. शिरीष पुष्प भौरों के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है, पक्षियों का बिलकुल नहीं 'पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्रिणाम्" अब मैं इतने बड़े कवि की बात का विरोध कैसे करूँ? सिर्फ विरोध करने की हिम्मत न होती तो भी कुछ कम बुरा नहीं था, यहाँ तो इच्छा भी नहीं है। मैं दूसरी बात कह रहा था। शिरीष के फूलों की कोमल देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब कुछ कोमल है। यह भूल है। इसके फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं। वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात	

	याद आती है, जो किसी प्रकार जमाने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।	
(क)	निम्नलिखित में से कौन-सा विचार लेखक के दृष्टिकोण से मेल खाता है | i. कोमलता हमेशा कमजोरी होती है ii. दृढ़ता और कोमलता एक साथ रह सकती है iii. प्रकृति का अध्ययन निरर्थक है iv. उपर्युक्त सभी।	1
(ख)	लेखक ने शिरीष के पुराने फूलों की तुलना किनसे की है? i. बूढ़े वृक्षों से ii. अनुभवहीन कवियों से iii. उन नेताओं से जो समय की दिशा नहीं पहचानते iv. फूलों से लदे वृक्षों से	1
(ग)	"शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर कवियों ने समझा कि उसका सब कुछ कोमल है। यह भूल है।" इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है? i.शिरीष का पौधा पूरी तरह नाजुक होता है। ii.शिरीष के फूल कोमल हैं, पर फल दृढ़ और मजबूत हैं। iii.कवियों ने शिरीष का सही मूल्यांकन किया है। iv.शिरीष का कोई विशेष महत्व नहीं है।	1
(घ)	निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A) लेखक कालिदास से असहमति प्रकट नहीं करना चाहता। कारण (R) क्योंकि वह उन्हें महान कवि मानता है और उनके विचारों का सम्मान करता है। विकल्पः i. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ii. कथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही है iii. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं iv. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है	1
(ङ)	शिरीष के फूल किस गुण के प्रतीक हैं? i. कोमलता के ii. हठ और दृढ़ता के iii. नश्वरता के iv.सौंदर्य के	

10.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:-**	02x03=06
(क)	भक्तिन ने अपने जीवन की हर समस्या का समाधान करना चाहा। आज की युवा पीढ़ी समस्याओं से घबराकर घुटने टेक देती है। भक्तिन का संघर्ष समाज को क्या सीख देता है?	
(ख)	'बाज़ार दर्शन' कहानी के सन्दर्भ में बताइए कि बाज़ार के प्रभाव से बचने के लिए व्यक्ति में कौन-सी मानसिक दृढ़ता आवश्यक है।	
(ग)	पाठ के आधार पर बताइए कि लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है?	
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:-**	02x02=04
(क)	'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर बताएं, शिरीष जीवन की अजेयता का मंत्र कैसे प्रचारित करता है?	
(ख)	भगत जी जैसा व्यक्तित्व समाज में शांति स्थापित करने में मददगार हो सकता है, तर्क दीजिए।	
(ग)	'काले मेघा पानी दे' पाठ को ध्यान में रख कर बताइए कि प्रचलित विश्वास और विज्ञान के बीच क्या उचित है, आप किसको चुनेंगे और क्यों?	
12.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए:-**	02x05=10
(क)	'सिल्वर वेडिंग' कहानी में आदर्श व्यक्तित्व के बोझ तले दबे यशोधर बाबू आधुनिक न थे, क्या यह उन्हें समाज में पीछे धकेलता है? पाश्चात्य संस्कृति के दबाव में दबे लोगों को ध्यान में रखते हुए अपने विचार लिखिए।	
(ख)	'जूझ' कहानी संघर्ष की कहानी कैसे है? और यह कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।	
(ग)	क्या आप सहमत हैं कि 'जूझ' कहानी यह सिद्ध करती है – "जहाँ चाह वहाँ राह"? लेखक के संघर्ष को ध्यान में रखते हुए, अपने उत्तर को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।	

****